" भिवानी गौरव सम्मान" - 2021

प्रोफेसर आर.के. मित्तल

(भिवानी)

चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

खेल, साहित्य ,राजनीति,संगीत,कला के क्षेत्रों के साथ -साथ ग्राम विकास और लोक प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रो में भिवानी की छवि देखी जा सकती है । चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर आरके मित्तल, एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और प्रबंधन शिक्षाविद् हैं, जिन्हें उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों यथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान विश्वविद्यालय और प्रौद्योगिकी (हिसार), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली और तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद में शिक्षण, अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है । आपको प्रारंभिक अवस्था से ही संस्थानों के निर्माण में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

आप तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद (2008-13) के संस्थापक उप-कुलपति, निदेशक - विकास और एनएएसी / यूजीसी समन्वयक (2014-18) और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (2005-08) के डीन रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आप गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्याल दिल्ली में स्कूल ऑफ एजुकेशन (2005-07) के डीन रहे तथा स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के डीन (2005-07) रहे और गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग के एचओडी / प्रभारी (1996-2000) रहे हैं। इन संस्थानों में विभिन्न क्षमताओं में काम करने से आपको नियामक ढांचे (यूजीसी, एनएएसी, एनबीए, एआईसीटीई, आदि) की उचित समझ मिली, जिसके तहत उच्च शिक्षण संस्थान कार्य करते हैं और तदनुसार गुणवत्ता पहल की योजना बनाते हैं और निष्पादित करते हैं। इसके अतिरिक्त आपने जीजीएसआईपीयू, दिल्ली में ओएसडी (परीक्षा), प्रभारी केंद्रीय समय सारणी, सदस्य शुल्क और निवेश समितियां, समन्वयक - दीक्षांत समारोह, रूसा और एआईएसएचई प्रभारी, अकादमिक लेखा परीक्षा और पूर्व छात्र संघ जैसी गतिविधियों को संभाला है ।

प्रोफेसर मित्तल एम.फिल., एम.ए. (अर्थशास्त्र), एमबीए और बी.कॉम होने के साथ-साथ पीएच.डी. भी है। यूजी में पढ़ाई के दौरान आपको स्टेट मेरिट स्कॉलरशिप मिली। और पीजी स्तर पर कॉलेज टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक भी मिला । प्रो. मित्तल की व्यावसायिक वातावरण, विकास के मुद्दों और नीतियों, प्रतिस्पर्धात्मकता विश्लेषण, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों, प्रबंधकीय अर्थशास्त्र, नेतृत्व और उच्च शिक्षा के संस्थानों और संस्थानों में प्रबंधकीय मुद्दों के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान का विशेष अनुभव हैं।

आपने पंद्रह पीएच.डी. थीसिस और लगभग 150 एम.बी.ए. परियोजनाओं का मार्गदर्शन किया है। जबकि अन्य छह पीएच.डी विद्वानों का शोध कार्य प्रगति पर है।शिक्षण और अनुसंधान के लिए आपका जुनून आपके प्रकाशनों मे झलकता है जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलन में 120 प्रकाशन शामिल है । आप 100 से अधिक व्याख्यान दे चुके है। आपके द्वारा 6 लिखित मामले , 2 परामर्श परियोजनाएं और 50 से अधिक प्रतिष्ठित कार्यशालाओं / सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है । आपने प्रबंधन और अर्थशास्त्र में प्रतिष्ठित सम्मेलनों की कार्यवाही के प्रकाशन पर छह पुस्तकों का सह-संपादन भी किया है। वर्तमान में प्रो. मित्तल आईसीएसएसआर की प्रायोजित शोध परियोजना पर काम कर रहे हैं, जिसका शीर्षक है सतत उपभोग: एनसीआर और दिल्ली के परिवारों का एक सर्वेक्षण।

प्रो. मित्तल इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन, ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्लेक्सिबल सिस्टम्स मैनेजमेंट, एनएएसी, आईसीएसएसआर और एनबीए जैसे अकादमिक निकायों/संघों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। आप विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन बोर्ड / सांविधिक निकायों से जुडे हैं - जिनमें जेएनयू, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ (आगंतुक नामांकित), त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय (आगंतुक नामांकित -2015-17), गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, सीडीएलयू-सिरसा, जिम्स -दिल्ली, केयूके शामिल है।

अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आप यू.एस.ए., जापान और नेपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों यथा - स्टीवन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, होबोकेन (न्यू जर्सी), हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और यू.एस.ए. में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी; ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सिस्टम डिजाइन एंड मैनेजमेंट, हियोशी कैंपस, जापान में कीयो यूनिवर्सिटी (टोक्यो) और नेपाल में त्रिभुवन यूनिवर्सिटी (काठमांडू) में जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय के शिक्षण, अनुसंधान और कॉर्पोरेट जीवन में आपके महत्वपूर्ण योगदान के लिये प्रो. मित्तल को 2002 में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया ह।

सम्प्रति आप चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी, भिवानी मे उप-कुलपति के रूप मे अपनी सेवाएं दे रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री अजय सैनी

(अजमेर - भिवानी)

बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है| आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया ,दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं | पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है श्री अजय सैनी ने | आपका जन्म 16 फरवरी 1963 को पिता श्री जगदीश प्रसाद और माता श्रीमती रामप्यारी देवी जी के घर हुआ । आपका जन्मस्थान अजमेर है ।

आपको हरियाणा में हिंदी पत्रकारिता का 40 साल का अनुभव है । आपने 23 नवंबर सन 1981 से पत्रकारिता यात्रा की शुरुआत की । पत्रकारिता की शुरुआत खेल पत्रकार के रूप शुरू की। अपने पत्रकारिता जीवन में आपने अनेक प्रमुख पत्र पत्रिकाओं मे अपनी सेवाएं दी है। अपने लेखन की एक अमिट छाप छोडी है । एक सत्यनिष्ठ और निर्भीक पत्रकार के रूप मे आप जाने जाते है । आप दैनिक राजस्थान पत्रिका अजमेर मे

अपनी सेवाएं दे चुके हैं । तत्पश्चात आप दैनिक नवज्योति जयपुर से जुडे । इसके अलावा आपने दैनिक पंजाब केसरी भिवानी तथा दैनिक जागरण भिवानी को भी अपनी कलम के जादू से सुशोभित किया । आपने दैनिक हरिभूमि भिवानी के प्रतिनिधि के रूप में काम किया। सर्वाधिक समय करीब 20 वर्ष आप दैनिक जागरण से जुडे रहे । समाज के निर्माण मे समाचार पत्र - पत्रिकाओं की महती भूमिका होती है तथा आपने निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से इसमें अपना अमूल्य योगदान दिया है । कोई भी खबर, सही रूप मे आम जन तक पहुंचे, इसके लिये आप सदैव तत्पर रहते हैं ।

सम्प्रति आप दैनिक जन जागरण नाम से यूट्यूब चैनल के माध्यम से अपनी सेवाएं दे रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।।

डा. राम अवतार कौशिक

(भिवानी - उदयपुर)

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान (शिक्षा)

शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में डा. राम अवतार कौशिक का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। प्रतिष्ठित विद्वान डा. राम अवतार कौशिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं ।

आपक जन्म 17 सितंबर 1965 को कैला (भिवानी) में हुआ । आपने कृषि में बी.एस.सी. (ऑनर्स) तथा बागवानी में एम.एससी. और पीएच.डी. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से की । आपने इज़राइल से नेगेव के बेन गुरियन विश्वविद्यालय से वैट फेलो के रूप में पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। आपने बीएससी, एम.एससी के दौरान एचएयू मेरिट छात्रवृत्ति प्राप्त की और पीएचडी के दौरान वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली से वरिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप भी प्राप्त की । डॉ कौशिक ने 1993 में एच.ए. यू क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, बावल से वैज्ञानिक (बागवानी) के रूप में अपना करियर शुरू किया और 2002 में एसोसिएट प्रोफेसर बने और 2007 में एमपीयूएटी उदयपुर में प्रो बागवानी के रूप में चुने गए। 2007 से 2015 तक प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में सेवा दी , तत्पश्चात रेजिडेंट निदेशक (निर्देश) बने और वर्तमान में वे एमपीयूएटी, उदयपुर में निदेशक (विस्तार शिक्षा) हैं।

अपने करियर के दौरान आपने 23 पी.एच.डी. और 20 एम. एस. सी छात्रों को प्रमुख सलाहकार के रूप में निर्देशित किया । PI के रूप में NATP, DBT, NAIP, ICAR, RKVY और अन्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई शोध परियोजनाओं को संभाला। आपने सूखे फलों की खेती और प्रसंस्करण के लिए कई तकनीकों का विकास किया है जिन्हें किसानों द्वारा व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है और पीओपी में बीस से अधिक सिफारिशें की हैं। आपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 130 शोध पत्र, 70 लोकप्रिय लेख, चार पुस्तकें, तीन बुलेटिन, 15 पुस्तक अध्याय और कई प्रशिक्षण मैनुअल प्रकाशित किए हैं।डॉ कौशिक, इंडियन एकेडमी ऑफ हॉर्टिकल्चर साइंस, नई दिल्ली के फेलो होने कए साथ-साथ एमपीयूएटी, उदयपुर द्वारा उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार, वर्ष 2011 के सार्क वैज्ञानिक, एच.एस. मेहता यंग साइंटिस्ट अवार्ड (2011), छह सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तित्व है । इंडियन जर्नल ऑफ एरिड हॉर्टिकल्चर में आपका एक सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रकाशित हुआ । टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा महिंद्रा समृद्धि पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिया गया ।

एक राष्ट्रीय स्तर की समिति में सदस्य व्यापक विषय क्षेत्र (बागवानी) रहे और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में कई तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की। शोध निष्कर्षों को प्रस्तुत करने के लिए या उन्नत प्रशिक्षण और कार्यकारी सदस्य इंडियन सोसाइटी ऑफ एरिड हॉर्टिकल्चर के इज़रूप मे आपने इजराइल, यूएसए और नीदरलैंड देशों का दौरा भी किया है।सम्प्रति आप एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर में निदेशक (विस्तार शिक्षा) हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ

श्री नरेश शांडिल्य

(भिवानी - दिल्ली)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है । प्रख्यात कवि , नाटककार , सम्पादक और समीक्षक श्री नरेश शांडिल्य हिंदी साहित्य के क्षितिज पर एक सितारे की भांति अपनी छटा बिखेरी है ।

आपकी प्रकाशित कृतियां है : टुकड़ा-टुकड़ा ये ज़िन्दगी (कविता संग्रह) , दर्द जब हंसता है (कविता संग्रह), मैं सदियों की प्यास (ग़ज़ल संग्रह), कुछ पानी कुछ आग (दोहा संग्रह), अग्निध्वज (नुक्कड़ नाटकों के गीत) , अपनी तलाश में (ग़ज़ल संग्रह),

आपकी सम्पादित कृतियां है: महाप्रज्ञ के अमृत वचन (निबंधों का सार) पंख ग़ज़ल के (25 कवियों की ग़ज़लें), जान - ए - ग़ज़ल (40 शायरों के 2000 अश'आर) मैनेजमेंट गुरु : आचार्य महाप्रज्ञ (जीवन प्रबंधन कौशल पर आधारित निबंधों का सार)

आपके कृतित्व पर पुस्तक : मैंने है को है कहा (नरेश शांडिल्य की प्रतिनिधि कविताएं) जिसका संपादन किया है शशिकांत जी ने ।

समय-समय पर आपको अनेक सम्मानों से नवाजा गया है । आपको अपने पहले ही कविता संग्रह पर हिंदी अकादमी , दिल्ली सरकार का साहित्यिक कृति सम्मान (1996) प्राप्त हुआ। वातायन (लंदन) का अंतरराष्ट्रीय कविता सम्मान (2005) ; कविता का प्रतिष्ठित 'परम्परा ऋतुराज सम्मान' (2010) भी आपको प्राप्त है।

देश ही नहीं विदेशों (इंग्लैंड के 8 प्रमुख शहरों, बैंकॉक, थाईलैंड, जोहांसबर्ग, साउथ अफ्रीका आदि) में आयोजित अनेकानेक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, विश्व हिंदी सम्मेलनों और कवि सम्मेलनों में भी आपने महत्वपूर्ण भागीदारी की है । देश के प्रतिष्ठित लालकिला कवि सम्मेलन और श्रीराम कवि सम्मेलन में भी आपने काव्यपाठ किया है। लेह, लद्दाख से लेकर पोर्टब्लेयर तक और मुंबई से लेकर कोलकाता तक भारत के लगभग सभी प्रमुख शहरों के कवि सम्मेलनों में आप काव्यपाठ कर चुके हैं।

साहित्य की अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका 'अक्षरम संगोष्ठी' का आपने 12 वर्षों तक कुशल संपादन किया है। अनेकानेक नुक्कड़ नाटकों में आपने न केवल 500 से अधिक प्रस्तुतियों में अभिनय किया है अपितु 50 से अधिक लोकप्रिय नुक्कड़ नाटक गीत भी लिखे हैं, जोकि आपकी 'अग्निध्वज' नामक पुस्तक में संग्रहित हैं। आपको नुक्कड़ नाटकों के

क्षेत्र में भारत सरकार के संस्कृति विभाग से 'सीनियर फैलोशिप' भी प्राप्त है।

बैंक प्रबंधक के रूप में सेवानिवृत्ति के बाद आजकल आप स्वतंत्र लेखन में संलग्न हैं और अनेक साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

सम्प्रति आप भारतीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार सदस्य के नाते भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद कॉलेज की संचालन समिति में प्रमुख सदस्य हैं ।

श्री शांडिल्य जी का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा यही कामना करते हैं कि आपकी लेखनी अनवरत चलती रहे।श्री वर्मा का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा यही कामना करते हैं कि आपकी लेखनी अनवरत चलती रहे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री भीमसेन मूर्तिकार

(भिवानी)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान (कला एवं संगीत)

भिवानी जिले के निवासियों ने लगभग हर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाई है । कला के क्षितिज पर एक चमकते सितारे के रूप में विद्यमान हैं मूर्तिकार और आर्टिस्ट श्री भीमसेन ।

आपका जन्म 3 जनवरी सन 1955 को हुआ । आपके प्रेरणास्त्रोत आपके पिता स्वर्गीय श्री चंद शिल्पी मंदिर निर्माता रहे जिन्होने हरिद्वार मे अनेक मंदिरों का निर्माण किया । इसलिये बचपन से ही आप मे कला के प्रति समर्पण भाव प्रतिपादित हुआ । दसवीं की शिक्षा के पश्चात पिताश्री के साथ मंदिरों में सीमेंट की तस्वीरों और आयल पेंटिंग का कार्य उन्ही की मार्गदर्शन मे शुरु किया तथा सायंकालीन सत्र से अपनी पढाई जारी रखी । पर्याप्त अनुभव के पश्चात आपने पोर्ट्रेट का कार्य शुरु किया । आपने कला मे स्नातक की शिक्षा ग्रहण की ।

बदलते परिवेश और समय के साथ आगे बढ़ते हुए फाइबर के स्टेच्यू और तस्वीरों के माध्यम से अपनी कला का परिचय दिया । कैनवस पर कट-आउट हो या थ्री-डी पेंटिंग का कार्य हो - आपकी कला दक्षता सहज रूप मे प्रतीत होती है । आपके माध्यम से बडे बाजार का मंदिर , चित्रकारी , धार्मिक चित्र का कार्य बडे ही आकर्षक तरीके से किया गया है । आपके दवारा 31 फीट, 51 फीट की विशाल प्रतिमा का कार्य किया जा चुका है ।

आपकी मूर्ति कला से कृष्ण प्रणामी आश्रम भिवानी, कृष्ण प्रणामी आश्रम रामेश्वरम, कृष्ण प्रणामी आश्रम सिलीगुडी , सांस्कृतिक मंच भिवानी, राम बाग भिवानी इत्यादि अनेक स्थान शोभायमान है ।

आपका व्यक्तित्त्व सरल, मृदुभाषी और मिलनसार है । आप अपने कार्य के प्रति समर्पित है तथा अपनी कला की छटा देश-विदेश मे बिखेर रहे है।

सम्प्रति आप कला के क्षेत्र में नित नये सोपान पर अग्रसर हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ

श्री गोरधन दास

(अलखपुरा - भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान (खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी का नाम विशेष योगदान रहा है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबाओं ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है । खेलो की दुनिया की एक ऐसी ही विशिष्ट शख्सियत है श्री गोरधन दास । आपका जन्म 13 फरवरी सन 1971 को पिता श्री रामधारी और माता श्रीमती रामा देवी के घर खेडी दौलतपुर , जिला भिवानी मे हुआ । आपने मैट्रिक की शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय, बलियाली से प्राप्त की तथा राजकीय महाविद्यालय , भिवानी से 10+2 की शिक्षा ग्रहण की । सन 1993 में आप राजकीय महाविद्यालय , भिवानी के छात्र संघ चुनाव में सचिव पद के लिये निर्वाचित हुए । सन 2000 में आप गांव खेडी दौलतपुर में सरपंच के पद पर निर्वाचित हुए । दिसम्बर 2000 में आपने सरकारी नौकरी का कार्यभार ग्रहण किया । अपनी 21 वर्षों की सरकारी सेवा के दौरान आप सुबह- शाम दोनों समय खेल के मैदान पर नियमित रूप से अपनी सेवाएं देकर अनेक खिलाडियों को तैयार किया ।

आपकी खेलों के प्रति तपस्या के कारण आज अलखपुरा खेल मैदान को मिनी ब्राजील के नाम से ख्याति मिली है । राजकीय सीनियर सेकंडरी स्कूल के दस से ज्यादा खिलाडियों ने अंतर्राष्ट्रीय खेलो जैसे सैफ़ और एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है । आपके प्रशिक्षण मे सौ से भी अधिक खिलाडियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है । आपके द्वारा प्रशिक्षित सौ से ज्यादा खिलाडी आज सरकारी नौकरी मे शामिल होकर आपके कार्य को आगे बढा रहे हैं । आपके परिवार मे पत्नी श्रीमती कौशल्या देवी के अलावा पुत्र अनूप और पुत्री नीतू है । वो दोनों भी सरकारी नौकरी मे सेवारत है ।

आपके प्रशिक्षित खिलाडियों ने अंडर-14 स्कूल स्टेट, अंडर-17 स्कूल स्टेट, अंडर-19 स्कूल स्टेट, पायका स्टेट अंडर-16, अंडर-19 ए.आई.एफ.एफ. नेशनल, सीनियर नेशनल, इंडिया वोमेन लीग, अंडर-14 स्कूल नेशनल, अंडर-17 स्कूल नेशनल, अंडर-19 स्कूल नेशनल, पायका नेशनल, एम.डी.यू. आल इंडिया अंतर्विश्वविद्यालय तथा खेलो इडिया मे देश का प्रतिनिधित्व किया तथा प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

फुटबाल इंटरनेशनल में आपके खिलाडियों ने साउथ एशियन गेम्स , ए.एफ.सी. अंडर-16 वोमेन चैमपियनशिप 2017 , ए.एफ.सी. अंडर-19 वोमेन चैमपियनशिप 2017, ए.एफ.सी. वोमेन एशियन कप

जोर्डन 2018 , कोटिफ कप , वोमेन ओलम्पिक फुटबाल टूर्नामैंट में देश का प्रतिनिधित्व करके अपना परचम लहराया ।
सम्प्रति आप अलखपुरा मे पी.टी.आई. के दायित्व से प्रतिभाओं को तराश कर विभिन्न खेलों के लिये तैयार कर रहे हैं।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

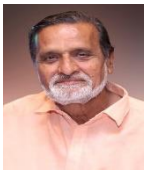

श्री नंद किशोर अग्रवाल

(भिवानी)

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है।
श्री नंद किशोर अग्रवाल सादगी और सेवा की जीवंत मूर्ति हैं ।
आपका जन्म आदरणीय बाबू जी श्री राम भजन अग्रवाल जी के घर हुआ जो हरियाणा सरकार मे मंत्री भी रहे ।
प्रसिद्ध उद्योगपति , सामाजिक , धार्मिक और शिक्षा के क्षेत्र मे अहम योगदान के धनी श्री नंद किशोर अग्रवाल किसी परिचय के मोहताज नही हैं। आपका सामाजिक और राजनैतिक जीवन बहुत ही साफ सुथरा रहा है। आपने अपने पिता श्री रामभजन अग्रवाल जी के गुण आत्मसात किये तथा राजनीति में बिना कोई पद हासिल किये अपने पिता के सारथि के रूप मे रहे । जन मानस मे आप बहुत लोकप्रिय है तथा बाबू जी के दिखाये मार्ग का अनुकरण करते हुए अनेक सामाजिक, शैक्षिक और धार्मिक प्रकल्पों से सक्रिय रूप मे जुडे हैं । अग्रवाल परिवार के सत्ता मे होते हुए भी अपना जीवन शैली पर कोई प्रभाव नही पडा ।
आप भिवानी की अनेक संस्थाओं के प्रधान एवं पदाधिकारी के रूप मे अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा जन मानस से जुडे है । चाहे श्री गौशाला ट्रस्ट हो, कालेज हो या कोई शिक्षण संस्था - आप एक कुशल संचालक के रूप मे जाने जाते है तहा हमेशा लगभग सर्वसम्मति से चुने जाते हैं । आपका परिवार हमेशा भिवानी की सेवा में तत्पर रहा है । चाहे सामान्य स्थिति हो या त्रासदी - आपका सेवा भाव निरंतर बना रहता है । आपकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आप भिवानी की 36 बिरादारी से जुडे है। हर समय सुख - दुख मे आप भिवानी की जनता के साथ रहते हैं तथा यथासम्भव मदद करते है। लोक सेवा के लिये आपने बाबा रामदेव का योग केंद्र व चिकित्सालय अपने परिसर श्रीराम कुंज मे स्थापित किया है जहां आमजन के लिये निशुल्क इलाज के सुविधा उपलब्ध है । गर्मी के मौसम मे पानी की कमी होने पर टैंकरों के माध्यम से भिवानी के सभी क्षेत्रों और गावों मे पीने का पानी निशुल्क पहुंचाकर जन सेवा मे लगे रहते है । भिवानी मे शीतल जल की अनेक प्याऊ आपके माध्यम से संचालित हैं ।
आप जन सम्पर्क मे लगे रहते हैं तथा नागरिकों की शिकायत सम्बद्ध अधिकारियों तक पहुंचाने व अधिकारियों से मिलकर उनका निवारण करने के लिये प्रयासरत रहते हैं। अपने धर्मार्थ ट्रस्ट के माध्यम से गरीब और असहाय व्यक्तियों के इलाज में योगदान देते है। बच्चों के स्कूल की फीस तथा पुस्तकों की मदद करते हैं। गरीब कन्याओं के विवाह के लिये निरंतर सहयोग करते है। शरद ऋतु मे हजारों रजाइयां गरीब जनता मे वितरण करके उनकी मदद करते हैं ।
आपके माध्यम से संस्कार निर्माण के लिये प्रतिवर्ष रामायण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है । स्कूली छात्र एवं छात्राओं मे संस्कार निर्माण की भावना को जागृत करके उन्हे राष्ट्र के प्रति योगदान के लिये प्रेरित किया जाता है ।
आपके विनम्र स्वभाव,निष्काम सेवा भाव,सरल जीवन शैली व प्रेम भाव के कारण आपका चुंबकीय व्यक्तित्व सबको अपनी ओर आकर्षित करता है।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डा. राकेश कुमार

(दिल्ली)

पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान (राष्ट्र सेवा)

जिस समाज और देश ने हमे बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है डा राकेश कुमार ने ।

प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार 28 से अधिक वर्षों से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में शिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल में सक्रिय रूप से शामिल हैं। न्यूक्लियर मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएशन प्राप्त करने के बाद वर्ष 1997 में आप एम्स में न्यूक्लियर मेडिसिन में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए और 2011 में प्रोफेसर के स्तर तक पहुंचे। आप सन 2014 से एम्स में डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन डिवीजन के प्रमुख बने और वर्तमान मे भी इसी दायित्व का बखूबी से निर्वाह कर रहे हैं। प्रो. राकेश कुमार ने वर्ष 2010 में एम्स से न्यूक्लियर मेडिसिन में पी.एच.डी भी की थी, जो इस क्षेत्र में अपने कौशल को सीखने और अद्यतन करने के लिए उनकी निरंतर खोज को प्रदर्शित करता है।प्रो. राकेश कुमार की गणना विदेशों में पीईटी इमेजिंग में प्रशिक्षित अग्रणी नामो मे की जाती हैं (पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया, यूएसए के अस्पताल में 1 वर्षीय पीईटी फैलोशिप) और एम्स, नई दिल्ली में पीईटी/सीटी सेवाएं शुरू करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

शैक्षिक और शोध के क्षेत्र में प्रो. राकेश कुमार का एक शानदार और अद्वितीय ट्रैक रिकॉर्ड है। प्रो. राकेश कुमार भारत में चिकित्सा विज्ञान में अग्रणी शोधकर्ता हैं और विश्व के वैज्ञानिकों में शीर्ष पर हैं। प्रो. राकेश कुमार ने एम्स में कई प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य किए हैं और आपने हमेशा पूरी ईमानदारी, परिपक्वता और समर्पण

के साथ इन्हें पूरा किया है और इसके परिणाम हमेशा सकारात्मक रहे हैं।

प्रो राकेश अपने साथियों और सहयोगियों के बीच विशेष रूप मे प्रतिष्ठित रहे है और आपने स्वयं के क्षेत्र में एक विशेष स्थान बनाया है क्योंकि आप सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन-इंडिया के अध्यक्ष बने रहे और वर्तमान में आप इंडियन जर्नल के प्रधान संपादक हैं। ब्रिटिश न्यूक्लियर मेडिसिन सोसाइटी की सबसे पुरानी पत्रिकाओं में से एक 'न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशंस' के केवल चार प्रधान संपादकों में आप भी शामिल हैं । आप भारत में पीईटी निर्देशित बायोप्सी शुरू करने वाले पहले व्यक्ति हैं , जिसने कैंसर देखभाल में नैदानिक अभ्यास को बदल दिया है और आपने इस प्रक्रिया में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और एसजीपीजीआई, लखनऊ सहित अन्य संस्थानों से बड़ी संख्या में डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया है । आप लगातार 2 वर्षों के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार और 2017 में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित बीसी रॉय पुरस्कार (हरि ओम आश्रम) सहित 22 पुरस्कार (16 अंतर्राष्ट्रीय और 6 राष्ट्रीय) के प्राप्तकर्ता रहे हैं।

सम्प्रति आप एक प्रतिष्ठित संस्थान मे डाक्टर के रूप मे राष्ट्र सेवा में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

सुश्री पिंकी गाबा

(चांग- हाँसी)

नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका सम्मान (ओजस्विनी)

भिवानी की नारी शक्ति आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र मे अपनी पहचान बनाने मे सफल हुई है । इसके लिये उसने अपनी काबिलियत , मेहनत और अथक प्रयास लिये है । पिंकी गाबा जी ने अपनी सफलता की कहानी खुद लिखी है ।

पिंकी गाबा जी का जन्म 6 नवम्बर 1966 को श्री नंद लाल रखेजा जी के घर गांव चांग में हुआ ।

बचपन से ही आपकी खेलों और समाज सेवा मे अभिन्न रुचि रही । खो-खो की खिलाडी होने के साथ-साथ 800 मीटर दौड मे भी आपने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया । अनेक नाट्य प्रतियोगिताओं मे राज्य स्तर पर सक्रिय प्रतिभागिता रही । भाषण प्रतियोगिता में अनेक पुरस्कार हासिल किये । आपने स्नातक एवं प्रभाकर की शिक्षा ग्रहण की । आपका विवाह हाँसी में हुआ । अपनी योग्यता और नेतृत्व क्षमता के कारण आप दो बार हाँसी की पार्षद रह चुकी है तथा एक बार हाँसी की मेयर रह चुकी हैं । सन 2011 और 2012 में उल्लेखनीय सेवा और योगदान के लिये आपको सम्मानित किया गया । आप बारह वर्षों से गुरु संत सुखदेवानंद जी महाराज धर्म प्रमुख संचालक परमहंस श्री योग दरबार के साथ कार्यरत होकर अपना जीवन समाज सेवा में समर्पित किया है । इसके माध्यम से असहाय एवं गरीब जनों की सेवा की जाती है । निर्धन महिलाओं के लिये वस्त्र और भोजन व्यवस्था की जाती है । जरूरतमंदों को अन्न दान दिया जाता है । डिस्पेंसरी एवं दवा के माध्यम से आम जन के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाता है । पर्यावरण संरक्षण मे आपने महत्वपूर्ण योगदान दिया है । आप महाराज जी के ड्राइवर के रूप में भी अपनी सेवायें दे रही हैं । परमहंस श्री योग दरबार के आश्रम सम्पूर्ण भारत वर्ष में है । नारी सशक्तिकरण मे आपने महती भूमिका अदा की है । भागवत कथा के आयोजन की पूर्ण व्यवस्था की जिम्मेवारी का आप बखूबी से निर्वाह करती हैं । देश भर के विभिन्न आश्रमों मे आपका प्रवास रहता है ।

सम्प्रति आप परमहंस श्री योग दरबार के माध्यम से समाज को अपनी सेवा दे रही हैं तथा गरीबों और असहायों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करती हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।